दुनिया में सबसे तेज रफ्तार से बढ़ रही भारतीय जीडीपी : आईएमएफ

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 2024-25 के लिए बढ़ाया विकास दर अनुमान, चीन की वृद्धि दर 4.6 फीसदी

वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के विकास दर अनुमान को बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया है। यह जनवरी के 6.5 फीसदी की तुलना में ज्यादा है। इस अवधि में चीन की विकास दर 4.6 फीसदी रह सकती है। आईएमएफ ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा, भारत दुनिया में सबसे तेज रफ्तार से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। घरेलू मांग में तेजी की स्थिति और कामकाजी उम्र की बढ़ती आबादी से भारत को फायदा होगा। 2025-26 में भारत की जीडीपी की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रह सकती है। विकासशील एशिया की वृद्धि दर 2024-25 में घटकर 5.2 फीसदी और 2025-26 में 4.9 फीसदी रह सकती है। 2023-24 में इनकी विकास दर 5.6 फीसदी रही थी। एजेंसी

घरेलू मांग में तेजी और कामकाजी उम्र की बढ़ती आबादी से होगा लाभ

इसलिए घटेगी चीन की वृद्धि दर : आईएमएफ ने कहा, प्रॉपर्टी बाजार और खपत में नरमी से चीन की विकास दर 2023 के 5.2 फीसदी से घटकर 2024-25 में 4.6 फीसदी और 2025-26 में 4.1 फीसदी रहेगी।

उठाने होंगे मजबूत कदम

आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे ओलिवियर गौरींचस ने कहा, नीति निर्माताओं को आर्थिक विकास की संभावनाओं को पुनर्जीवित करने जैसे अधिक लचीलेपन की दिशा में कदम उठाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्थिर विकास और महंगाई जितनी तेजी से बढ़ी, उतनी ही तेजी से धीमी भी हो रही है। *महामारी के बाद आपूर्ति-शृंखला में व्यवधान, यूक्रेन-रूस युद्ध से उत्पन्न ऊर्जा और खाद्य संकट, महंगाई में बढ़ोतरी और इसके बाद विश्व स्तर पर मौद्रिक नीति को कड़े करने जैसी घटनाएं विकास दर पर दबाव बना रही हैं।*

वैश्विक अर्थव्यवस्था में रहेगी तेजी

आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अपने दृष्टिकोण को बढ़ा दिया है। 2024-25 में वैश्विक विकास दर 3.2 फीसदी रह सकती है, जो जनवरी के अनुमानित 3.1 फीसदी से थोड़ा ऊपर है। 2025-26 में लगातार तीसरे वर्ष 3.2 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था 2.7 फीसदी दर से बढ़ेगी, जो जनवरी के अनुमानित 2.1 फीसदी से ज्यादा है।

वृद्धि में बाधक बनी हुई है महंगाई

महंगाई वैश्विक वृद्धि में बाधा बनी हुई है। हालांकि, यह पिछले

साल के 6.8 फीसदी से घटकर 2024-25 में 5.9 फीसदी और 2025-26 में 4.5 फीसदी पर आ जाएगी। अकेले दुनिया की उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई 4.6 फीसदी से घटकर इस वर्ष 2.6 फीसदी और 2025 में 2 फीसदी रह जाएगी।